भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1347

30 जुलाई, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन

1347. श्री नवसकनी के.:

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

श्री जी. सेल्वमः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (एनबीएचएम) का क्रियान्वयन कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एनबीएचएम के पास शहद केन्द्रों/क्लस्टरों के विशिष्ट समर्थन के लिए कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में एनबीएचएम के तहत अब तक वित्त पोषण के लिए स्वीकृत/स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या वर्षवार कितनी है;

(घ) तमिलनाडु में आकांक्षी जिलों के साथ-साथ दूरदराज और अन्य कठिन क्षेत्रों में कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने एनबीएचएम के तहत मधुमक्खी पालन के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा शहद उत्पादन, मधुमक्खी जनसंख्या बढ़ाने, मधुमक्खी जैव-विविधता के संरक्षण, वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और कृषि उत्पादकता के लिए संबंधित लाभों का निर्माण करने तथा किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कौन से कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) जी हाँ। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग कृषि/बागवानी उत्पादन बढ़ाने के लिए आय और रोजगार सृजन की दृष्टि से मधुमक्खी पालन उद्योग के समग्र विकास के लिए वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने, कृषि और गैर-कृषि परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित कर रहा है।

इस योजना के तहत, मिनी मिशन-1 के तहत एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्रों (आईबीडीसी), शहद परीक्षण प्रयोगशालाओं, मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशालाओं, न्यूक्लियस स्टॉक, मधुमक्खी प्रजनकों, एचआरडी/क्षमता निर्माण, मधुमक्खी पालन के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण; मिनी मिशन-2 के तहत संग्रह, व्यापार, ब्रांडिंग, मूल्य वर्धन, विपणन केंद्रों, शहद प्रसंस्करण संयंत्रों, भंडारणों आदि की स्थापना; और मिनी मिशन-III के तहत अनुसंधान एवं विकास आदि जैसी ढांचागत सुविधाओं की स्थापना के लिए पात्र कार्यान्वयन एजेंसियों को परियोजना आधारित सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) शहद हब/क्लस्टरों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन की केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत 100 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को आवंटित किया गया है। इसके अलावा, विशिष्ट सहायता क्षेत्रों के लिए 33 एफपीओ/मधुमक्खी पालक समूहों को एनबीएचएम के तहत 36.75 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

(ग) और (घ) दूरस्थ और अन्य दुर्गम क्षेत्रों के साथ-साथ आकांक्षी जिलों में कार्यान्वयन के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में एनबीएचएम के अंतर्गत अब तक वित्तपोषण के लिए अनुमोदित परियोजनाओं की वर्ष-वार कुल संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	अनुमोदित/स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कार्यान्वयन एजेंसी
2021-22	--	--
2022-23	2	1. तमिलनाडु होर्टिकल्चर डेवेलप्मेंट एजेंसी (टीएएनएचओडीए) 2. तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर
2023-24	1	तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (टीएनएयू), कोयंबटूर
कुल	**3**	

(ङ) कार्यान्वयन एजेंसियां एनबीएचएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित प्रशिक्षणों, सेमिनारों आदि में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला लाभार्थियों/किसानों/मधुमक्खी पालकों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करती हैं।

(च) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मिनी मिशन I, II और III के प्रावधानों के अनुसार, शहद उत्पादन बढ़ाने, मधुमक्खी आबादी बढ़ाने, मधुमक्खी जैव-विविधता का संरक्षण करने, वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और कृषि उत्पादकता से संबंधित लाभों का निर्माण करने के लिए और परियोजना आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों, कार्यान्वयन एजेंसियों और हितधारक संस्थानों/संगठनों के प्रयासों में सहायता करता है।

*****